# आज का पुरुषार्थ 14 June 2022

**Source**: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

**धारणा** – *" आज से हम अंदर से हल्का बनते चले .. सबकुछ बाबा को अर्पित कर ट्रस्टी बन सबकुछ सम्भालें "*

जो बच्चे अपने घर को **बाप का यज्ञ** समझते है, वह मानो **ब्रह्माभोजन** ही खाते है। और उनके भण्डारें और भण्डारी भरपूर रहते है।

यह समय है जब कि हम " सबकुछ तेरा " ऐसा कर दे। मेरा मेरा करते तो हम मैंले होते ही आये। भारी होते आये। यह मेरा-मेरा मन को भारी कर देता है।

और हम spiritual power से स्वयं को भरपूर नहीं कर पाते। इसलिए आज दृढ़ संकल्प कर दे .. " ***राजयोग माना, मेरा कुछ भी नहीं .. सबकुछ तेरा***"

अपने घर को देखे, परिवार को देखे, friends, relatives को देखे और **संकल्प कर दे →**

*" यह सब बाबा के है .. मेरा घर बाबा का यज्ञ है .. हम यज्ञ से ही खाते है .. हम अपने लिए नहीं कमाते .. हम बाबा के यज्ञ की सेवा करते है .. हम घर में अपना काम नहीं कर रहे .. हम तो बाबा के यज्ञ की सेवा कर रहे है "*

**प्यार से अपने घर को देखो और संकल्प करो ...**

*" बाबा ने यह सुन्दर यज्ञ हमें दिया है सम्भालने के लिए .. यह बच्चे दिए है सम्भालने के लिए .. यह सब तो उनके ही है "*

कितना सस्ता सौदा है कि **सबकुछ तेरा** कर दो तो भण्डारें भी **भरपूर** रहेंगे और भण्डारी अर्थात धन-सम्पदा भी भरपूर रहेगी। और अपनी यज्ञ की care स्वयं भगवान करेंगे।

आज तक बहुतों की यह अनुभव रहे होंगे कि जैसे ही मेरा बच्चा, नौकरी नहीं मिल रही, यह संकल्प बार-बार मन को भारी कर रहा था!

**तो यह संकल्प, प्रभु को अर्पित किया ...**

*" यह तुम्हारा बच्चा है .. तुम इसे सम्भालों "*

... तो बहुत जल्दी बच्चा सेट हो गया, अच्छी नौकरी भी मिल गई!

तो हमारा क्या जाता सबकुछ बाबा को अर्पित करने में? बाबा किसी का लेगा क्या? वो तो दाता है! जो इस धरा को **हीरे मोतियों से भरपूर कर देता है, जो मनुष्य को देवत्व प्रदान करता है, जो इस संसार को स्वर्ग बना देता है,** क्यों न हम उसको अपने से थोड़ा सा कुछ अर्पित करे!

मन से अर्पण करने की बात है। और उसकी सेवाओं में भी लगाना है। अगर हम मेरा मेरा करते हुए बैठे ही रहते है, प्रभु कार्य में जरा भी अर्पण नहीं करते तो हमारी धन-सम्पदा न तो इससे **बृद्धि** होती और न वह हमारे लिए सुखदाई बनती है।

**जो जीतना अपना सर्वस्व ईश्वरीय कार्य में लगाते है, उनकी बहुत बृद्धि होती है। और उनका धन-सम्पदा, उनके परिवार बहुत सुख देते है।**

मेरा मेरा करने से **दुःख** मिलता है, तेरा कहने से **सुख** मिलता है। तो आज हम हर घन्टे में एकबार सूक्ष्म लोक में चलेंगे और देखेंगे ..

सामने बापदादा खड़े है बाहें फैलाए हुए ..

*" आओ बच्चे "*

और कहें ...

*" बाबा, मेरा सबकुछ तेरा .. यह बच्चे तेरा .. यह धन-सम्पदा तेरी .. यह घर मकान दुकान बिजनेस सबकुछ तेरा "*

आज सुख लेंगे इस सुन्दर अनुभूति का।

।। ओम शान्ति ।।

**BK Google**: www.bkgoogle.org

**Website**: www.shivbabas.org